टीका जानकारी विवरण HINDI

हिब टीका

(हीमोफिलस इन्फ्लुएंजा टाइप-B)से
जानने योग्य तथ्य

टीकों के बारे में अधिक जानकारी स्पेनिश एवं अन्य भाषाओं में भी उपलब्ध है।
संदर्भ : www.immunize.org/vis

1. हीमोफिलस इन्फ्लुएंजा टाइप-बी टीकाकरण क्यों जरुरी है?

हीमोफिलस इन्फ्लुएंजा टाइप-बी (हिब), जीवाणु से होने वाली एक गंभीर से बीमारी है। यह प्रायः 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों में पाई जाती है। कुछ विशेष चिकित्सीय परिस्थितियों वाले वयस्कों को भी यह रोग प्रभावित कर सकता है।

बच्चे को हिब रोग, आसपास के बच्चों अथवा उन वयस्कों से लग सकता है जिनमें रोग के जीवाणु तो होते हैं किन्तु उन्हें इसकी खबर नहीं होती है।से जीवाणु एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति या व्यक्तिगत सम्पर्क से फैलते हैं, यदि जीवाणु बच्चे के गले अथवा नाक तक ही सीमित रहें तो बच्चा बीमार नहीं पड़ता है, किन्तु कभी-कभी जीवाणु फुप्फुसों अथवा रक्त संचार तक प्रविष्ट होकर, गंभीर समस्या उत्पन्न कर सकते हैं, इसे आक्रामक या से इनवेजिव हिब रोग कहते हैं।

हिब वैक्सीन से पहले अमेरिका में 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों में हिब रोग, वैक्टीरिअल मेनिनजाइटिस का प्रमुख कारण था। मेनिनजाइटिस मस्तिष्क से एवं मेरुदंड की अस्तर (लाइनिंग) का संक्रमण है। यह बहरापन एवं मस्तिष्क को हानि पहुंचा सकता है। हिब निम्न के लिए भी उत्तरदायी हो सकती है:

- न्यूमोनिआ
- से गले में भयंकर सूजन, जिसके कारण सांस लेना कठिन हो जाता हैं।से
- अस्थियों, जोड़, हृदय की परतों तथा रक्त के संक्रमण
- मृत्यु

हिब टीका की खोज से पूर्व, अमेरिका में प्रतिवर्ष 5 वर्ष से कम आयु के लगभग 20,000 बच्चे हिब रोग से पीड़ित होते थे तथा इनमें से 3 से 6% मृत्यु के शिकार हो जाते थे।

हिब टीका, हिब रोग से बचाव कर सकता है। हिब टीके के प्रयोग से से इनवेजिव हिब रोग के केसों की संख्या 99% से अधिक घट गई है, यदि से हम इस रोग के विरुद्ध टीकाकरण रोक दें तो बड़ी संख्या में बच्चे हिब रोगी हो सकते हैं।

2 . हिब का टीका (हिब वैक्सीन)

हिब टीके की अनेक ब्रांड उपलब्ध हैं। वैक्सीन के टाइप अनुसार बच्चे को 3 या 4 खुराकें दी जाती हैं।

प्रायः निम्न आयु पर, हिब टीका की खुराकें लगाने की सलाह दी जाती है।

- प्रथम खुराक : 2 माह की आयु पर
- द्वितीय खुराक : 4 माह की आयु पर
- तृतीय खुराक : 6 माह की आयु पर (टीके की ब्रांड के आधार पर, आवश्यक होने पर)
- अंतिम/बूस्टर खुराक : 12 से 15 माह की आयु पर

हिब टीका, अन्य टीकों के साथ भी लगाया जा सकता है।

हिब टीका को संयुक्त टीके (कॉम्बीनेशन वैक्सीन) के रुप में भी दिया जा सकता है। कॉम्बीनेशन वैक्सीन में दो या दो से अधिक टीकों को एकल शॉट (सिंगल शॉट) लगाने के लिए मिलाया जाता है ताकि एक ही टीकाकरण से से एक से अधिक रोगों से सुरक्षा मिल सके।

सामान्यतः 5 वर्ष से अधिक आयु के बच्चों तथा वयस्कों को हिब टीका से लगाने की जरुरत नहीं होती है, किन्तु यह सिकल सेल रोग या एस्प्लिनिआ, स्प्लीन को निकालने की सर्जरी से पहले अथवा बोनमैरो ट्रांसप्लांट के पश्चात् बच्चों या वयस्कों में लगाया जा सकता है। इसे 5 वर्ष से 18 वर्ष आयु से के एच.आई.वी. से ग्रस्त रोगियों को लगाने की भी अनुशंसा की जाती है। अधिक जानकारी डॉक्टर से प्राप्त करें।

डॉक्टर या वैक्सीन लगाने वाला व्यक्ति हिब टीका के बारे में और अधिक जानकारी प्रदान कर सकता है।

3. हिब का टीका किसे नहीं लगवाना चाहिए?

6 सप्ताह से कम आयु के शिशुओं को हिब का टीका नहीं लगाना चाहिए। ऐसे से व्यक्तियों जिनको हिब टीका की पहले दी गई खुराक से गंभीर प्राणघातक एलर्जी प्रतिक्रिया अथवा टीके के किसी घटक से गंभीर एलर्जी हुई हो, उन्हें भी यह टीका नहीं लगवाना चाहिए। टीका लगाने वाले व्यक्ति को गंभीर एलर्जी के बारे में बताना जरुरी है।

हल्की अस्वस्थता से ग्रस्त व्यक्तियों को हिब टीका लगाया जा सकता है, किन्तु मध्यम अथवा गंभीर अस्वस्थ व्यक्तियों को टीका लगाने से पूर्व उनके से स्वास्थ्य लाभ तक प्रतीक्षा करनी चाहिए। निर्धारित तिथि पर टीके लगाते से समय, टीका प्राप्तकर्ता के स्वस्थ न होने पर स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता को से स्थिति से अवगत कराना चाहिए।

4. टीका प्रतिक्रिया (वैक्सीन रिएक्शन) के खतरे

अन्य किसी औषधि के समान टीकों के भी दुष्प्रभाव हो सकते हैं, किन्तु ये हल्की किस्म के होते हैं तथा स्वतः समाप्त हो जाते हैं। तथापि गंभीर दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं, किन्तु ये अपवाद स्वरुप ही होते हैं।

हिब टीका प्राप्त करने वाले अधिकांश लोगों को इससे कोई समस्या नहीं होती है।

साधारण समस्याएं (हिब टीकाकरण के पश्चात्)

- शॉट (इंजेक्शन) वाले स्थान पर लालिमा, गर्माहट अथवा सूजन
- ज्वर

ये समस्याएं कहीं-कहीं या विरल होती हैं। यदि ये उत्पन्न होती हैं तो प्रायः शॉट लगाने के तुरंत बाद शुरु होती हैं तथा 2-3 दिन तक रहती हैं।

किसी भी टीके से संभावित अन्य समस्याएं:

किसी भी औषधि से गंभीर एलर्जिक रिएक्शन हो सकता है किन्तु एक टीके से इस प्रकार के रिएक्शन होने की संभावनाएं अत्यन्त कम हैं। एक अनुमान के अनुसार यह संभावना एक मिलियन खुराकों में एक से भी कम केस में हो सकती है तथा समस्या टीकाकरण के पश्चात् कुछ मिनटों से लेकर कुछ घंटों के भीतर उत्पन्न हो सकती है।

अन्य औषधि के समान टीके से भी गंभीर दुर्घटना अथवा मृत्यु होने की संभावनाएं बहुत दूर हैं।

बड़े बच्चे, किशोर एवं वयस्क, किसी भी टीके के पश्चात् इन समस्याओं का सामना कर सकते हैं:

- टीकाकरण सहित किसी भी चिकित्सा प्रक्रिया के बाद कुछ व्यक्तियों को कभी-कभी चक्कर या मूर्छा आ सकती है। 15 मिनट तक बैठने या लेटे रहने से मूर्च्छा से बचा जा सकता है तथा गिरने के कारण संभावित चोट को रोका जा सकता है।

  चक्कर आने, दृष्टि में परिवर्तन या कानों में घंटी सी बजने की शिकायत होने पर तुरंत डॉक्टर को बताएं।
- कुछ व्यक्ति शॉट लगी भुजा को उठाने में कठिनाई तथा कंधे में गंभीर दर्द महसूस कर सकते हैं। यह समस्या बहुत कम या अपवाद स्वरुप ही पाई जाती है।

टीकों की सुरक्षा हमेशा मॉनिटरिंग की जाती है। अधिक जानकारी हेतु देखें : www.cdc. gov/vaccinesafety/

5. गंभीर समस्या की स्थिति में निर्देश

स्वयं का अवलोकन करें :

- शरीर से सरोकार रखने वाली प्रत्येक क्रिया पर नजर रखें, इनमें गंभीर एलर्जी रिएक्शन, बहुत तेज बुखार, असामान्य व्यवहार आदि सम्मिलित हैं।

गंभीर एलर्जी रिएक्शन के लक्षणों में खराश, चेहरे एवं गले पर सूजन, श्वसन में कठिनाई, हृदय की धड़कनें बढ़ना, चक्कर आना तथा कमजोरी महसूस करना आदि सम्मिलित हैं। इनकी शुरुआत टीकाकरण के बाद कुछ मिनटों से कुछ घंटों के भीतर हो सकती है।

कार्यवाही करें :

गंभीर एलर्जिक रिएक्शन अथवा ऐसी आपात स्थिति जहां प्रतीक्षा करने का समय न हो तत्काल 9-1-1 पर फोन करें अथवा तुरंत नजदीकी हॉस्पिटल पहुंचें अन्यथा अपने डॉक्टर को बुलाएं।

तत्पश्चात रिएक्शन की घटना को वैक्सीन एडवर्स ईवेंट रिपोर्टिंग सिस्टम (VAERS) को रिपोर्ट करनी चाहिए। यह रिपोर्ट डॉक्टर को फाइल करनी चाहिए अथवा स्वयं भी वेअर्स (VAERS) की वेबसाइट (www.vaers.hhs.gov) के माध्यम से अथवा 1-800-822-7967 पर काल करके फाइल की जा सकती है।

(नोट : VAERS किसी भी प्रकार का चिकित्सा परामर्श नहीं देता है)

6. राष्ट्रीय टीका-दुर्घटना क्षतिपूर्ति कार्यक्रम

नेशनल वैक्सीन इंजरी कंपन्सेशन प्रोग्राम (VICP), एक संघीय कार्यक्रम है। इसके द्वारा उन व्यक्तियों को क्षतिपूर्ति प्रदान की जाती है जिन्हें टीकों के कारण किसी प्रकार की क्षति या हानि पहुंचती है।

जिन व्यक्तियों का यह मानना है कि उन्हें किसी टीके के कारण कोई क्षति/हानि पहुंची है, वे कार्यक्रम के बारे में और क्षतिपूर्ति दावा करने के बारे में 1-800-338-2382 पर काल करके या वी.आई.सी.पी. की वेबसाइट (www.hrsa.gov/vaccinecompensation से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

क्षतिपूर्ति हेतु दावा (क्लेम) करने की समय सीमा निर्धारित है।

7. अधिक जानकारी हेतु स्त्रोत

- अपने स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता (हेल्थ केयर प्रोवाइडर) से पूछताछ करें। उनके द्वारा आपको वैक्सीन पैकेज इंसर्ट मिल सकता है अथवा जानकारी के अन्य स्त्रोत प्राप्त हो सकते हैं।
- अपने स्थानीय या राज्य स्वास्थ्य विभाग को काल करें।
- रोग नियंत्रण एवं निवारण केन्द्र (CDC) से सम्पर्क करें।

\- 1-800-232-4636 (1-800-CDC-INFO) पर काल करें।

अथवा

\- सी.डी.सी. की वेबसाइट www.cdc.gov/vaccines पर विजिट करें।

Vaccine Information Statement

Hib Vaccine

Office Use Only

04/02/2015

Hindi

42 U.S.C. § 300aa-26

ताकि ःवाःथ्य सेवा ूदाताओं को टीका लगने की ःथिति, टीका के आकलन, तथा भिवंय में अनुशंसित टीकाओं की समय-सारिणी के बारे में सही जानकारी मिल सके, Michigan Care Improvement Registry (िमशगन सेवा सुधार रिजःटरी) के पास उचित जानकारियाँ भेजी जाएंगी। ूत्येक • यि को अपने ःवाःथ्य सेवा ूदाता से यह निवेदन करने का अधिकार है कि उनकी टीका संबंधी जानकारी रिजःटरी में न भेजी जाए।

DCH-0449HI

AUTH: P. H. S., Act 42, Sect. 2126.

Translation provided by Avinash Bansal, MD, Keshav Swarnkar, Geeta Bansal, MD of Kota, India